पाठ ५३

1. का ऊ अपाङ्ग आदमी खुदके ठीक पारेलाके सक्षम रहे ?
    - ना ।
2. का ऊ अपाङ्गके अउरो आदमीसब ठीक पारेलाके सक्षम रहे ?
    - ना ।
3. का कउनो डाक्टर ऊ अपाङ्गके ठीक पारेलाके सक्षम रहे ?
    - ना ।
4. ऊ आदमीसब केकेराके लगे ऊ अपाङ्गके पहुचाइल ?
    - यिशुके सामने ।
5. कउन एगो सिर्फ रहे जउन सिर्फ ऊ आदमीके ठिक पारेके सकेला ?
    - यिशु ।
6. का कउनो आदमी पाप क्षमा दिएके सकिहन ?
    - ना ।
7. का कउनो पुरेत पाप क्षमा दिएके सकिहन ?
    - ना ।
8. यिसु कइसन ऊ आदमीके पाप क्षमा दिएके सक्षम भइल ?
    - काहेकि यिशु परमेश्वर बारन ।
9. यिशुसंगे आदमीसबके पाप क्षमा करेलाके अधिकार कइसन रहे ?
    - काहेकि यिशु परमेश्वर बारन ।
10. ऊ लेवीके नाम कथी रहे ?

- मत्ती ।

11. यिशु मत्तीके बुलाइलाके समयमे ओकर काम कथी रहे ?
    - ऊ एगो कर सङ्कलक रहे ।
    - मत्ती रोमीसबके निमित्त कर सङ्कलन करतरनी ऊ आपन यहुदी आदमीसंगे कर सङ्कलन करतनरी ।
12. यिशु ख्रीष्ट ओकुनीसबके स्वस्थ आदमीके बैद्यके जरुरत नइखे लेकिन बिमारीके जरुरी बा कहलन, यिशु अइसन कहलनका मतबल कथी रहे ?
    - यिशुका मतबल यिहे रहे कि वहां ओकुनीसबके बचावेके आइलन जउन आपन बिमारी बा कहके ना सोचलन

13. यिशु केकेराके बचाबेलाके आइलन ?
    - यिशु ऊ आदमीके बचावेलाके आइलन जउन आपन परमेश्वरके विरुद्धमे पाप करेला स्वीकार करेला आ केवल परमेश्वर सिर्फ ओकुनीसबके बचाबेके सकिहन कहके विश्वास करेला ।

- एकदिन फरिसी आ व्यवस्थाके शिक्षकसब यिशुसे एगो चमत्कारके चिन्ह मागगेल ।

मत्ती १२:३८ पढलजाइ

एगो आदमी भेडसे बहुत असल बा । वइसन विश्राम दिनमे भलाइ करेके लिए व्यवस्था अनुमति दिअल ।

1. परमेश्वरके वचनमे विश्वास करेलासे ज्यादा फरिसी आ व्यवस्थाके शिक्षकसब का दिखके मन कइलन ?
    - ओकुनीसब चमत्कारके चिन्ह देखेलाके मन कइलन ।
2. काहे फरिसी आ व्यवस्थाके शिक्षकसब चमत्कारके चिन्ह दिखेलाके मन कइलन ?
3. का ओकुनीसब यिशु भूतसब भगावेलाके दिखेला वा सुनेला ना रहे ?
    - रहे ।
    - ओकुनीसब दिखलरहे ।

4. का ओकुनीसब यिशुके कोढी आदमीके ठीक पारेला ना दिखलरहे ?
    - दिखलरहे ।
    - ओकनीसब दिखलरहे ।

5. का ओकुनीसब यिशु अपाङ्ग आदमीके ठीक पारेला दिखेला या सुनेला ना रहे ?
    - रहे ।
    - ओकुनीसब दिखल रहे ।

6. का ओकुनीसब यिशुकेहां आएला सबके वहां ठीक पारेला दिखेला ना रहे ?
    - रहे ।

- ओकुनीसब दिखलरहे ।

7. अगर ऊ सब दिखलरहे त फरिसी आ व्यवस्थाके शिक्षकसब यिशुसे अउरो थप चमत्कारके चिन्ह काहे मागलरहे ?
   - काहेकि ओकुनीसब यिशु हि उद्धारकर्ता परमेश्वर बारन कहके विश्वास ना कइलन ।
   - यिशुमे विश्वास करेला से ज्यादा फरिसी आ व्यवस्थाके शिक्षकसब केवल चमत्कारके चिन्हसब दिखेलाके मन कइलन ।

8. का अपनेके याद रहे कि कइसन परमेश्वर बहुत चमत्कारके काम करल त पर भि इस्रेलीसब वहाँमे विश्वास ना कइलन ?
   - परमेश्वर फारो आ मिश्रीकेहां १० विपत्ति भेजलन त पर भि इस्रेलीसब विश्वास ना कइलन ।
   - परमेश्वर फारो आ ओकर सेनाके लाल समुन्दरमे डुबादेल त पर भि इस्रेलीसब विश्वास ना कइलन ।
   - परमेश्वर मरुभूमिमे इस्रेलीसबके बट्टाइँ आ मन्न देलन त पर भि ओकुनीसब विश्वास ना कइलन ।
   - यिशुमे विश्वास करेलासे ज्यादा लोग केवल चम्तकार सिर्फ देखेके चाही ।

9. का चम्तकारके चिन्ह दिखेला त बचाइएला ?
   - ना बचाइएला ।
   - केवल उद्धारकर्ता यिशुमे विश्वास करेलासे बचाएला ।

10. यदि हमनी चमत्कारके चिन्हसब दिखेलाके बाद यिशुमे विश्वास करेला त हमनी कथी करतरनी ?

- यिहे कि यिशु एक झूठ व्यक्ति रहे ।

11. यदि हमनी चम्तकारके चिन्हसिर्फ देखके परमेश्वरमे विश्वास करत रनी त हमनी कथी करतरनी ?

- यिहे कि परमेश्वरके वचन झूठ बा ।

12. यिशु फरिसी आ व्यवस्थाके शिक्षकसबके कथी जवाफ देलन ?

मत्ती १२:३९ पद पढलजाइ ।

यिशु जवाफ देलन दुष्ट आ पापी आदमीसबे प्रमाणके निमित्त चिन्ह मागेला । लेकिन ऊ लोगके निमित् प्रमाणके कउनो चमत्कार ना दिखाएला । खाली युनुस नवीके चिन्ह दिखाइला ।

13. यिशु कथी कहलन ?

- केवल दुष्ट आ व्यभिचारी आदमी सिर्फ चिन्ह मागेला ।

14. आदमीके केवल कउन एक चिन्ह दिएवाला रहे कहके यिशु कहलन ?

- योनाके चिन्ह ।

15. योनाके चिन्ह कथी रहे ?

मत्ती १२:४० पद पढलजाइ ।

जइसे योना तीन रात अउर तीन दिन बडकी मछलीके पेटमे रहलन वहि तरहे आदमीके लइका तीन दिन अउर तीन रात तक जमिनके भितर रहि हे ।

16. योनाके चिन्ह कथी रहे ?

- जइसन योना बडका मछलीके पेटमे तीन रात अउर तीन दिनतके परलरहे वइसने यिशु भि धर्तिके पेटमे तीन रात आ तीन दिनतकले परेवाला रहे ।
- जइसन परमर्श्वर योनाके मछलीके पेटसे तीन रात आ तीन दिनके बाद निकालरहे वइसने यिशुके भि वहां तीन रात आ तीन दिनके बाद धर्तिसे निकालेवाला रहे ।
- यिशु फरिसीसब आ व्यवस्थाके शिक्षकसबके योनाके चिन्ह कहके वहां ही उद्धारकर्ता बारन कहलरनी ।

17. वकराके बाद यिशु फेरिसीसब आ व्यवस्थाके शिक्षकसबसे कथी कहलन ?

मत्ती १२:४१ पढलजाइ

निनवकेके लोग न्यायके दिन जुटके लोगनके दोषी ठहर कइल । काहेकि ऊ लोग युनुसके प्रचार सुनके अपन मन फिरावली । देखलो ऊ हवन जउन युनिस से भि बडका होवे ।

- योना निनवेके दुष्ट आदमीकेहा गइलन आ आदमीसबके ओकुनीसबके पापके निमित्त पश्चात्ताप करो कहलन ना हि तो परमेश्वर ओकुनीसबके सजाय दिएला कहलन ।

18. निनवेके आदमीसब कथी कइल ?
    - ओकुनीसब यिशुके बात मानके आपन पापके प्रायश्चित कइलन ।

19. का निनवके आदमीसब परमेश्वर अब्राहाम इसहाक आ याकुबसंग करेला प्रतिज्ञा थाहा रहे ?
    - ना ।
20. का निनवेके आदमीसब परमेश्वर मोसाद्वारा दिएला आज्ञासब थाह रहे ?
    - ना ।
    - यद्यपि निनवेके लोगके यी सब बात थहा ना रहे त पर भि ओकुनीसब योनाके चेतावनीके बाद परमेश्वरके वचन मानके पश्चाताप कइलन ।
    - अब अभिन एगो व्यक्ति जउन योनासे महान् रहे वहां सिखावतरनी ।

21. योनासे ज्यादा महान् कउन रहे ?
    - उद्धारकर्ता यिशु ।

22. यिशु योनासे ज्याना महान् कइसन रहे ?

- योना केवल एगो मानव रह लेकिन यिशु पूर्ण मानव आ पूर्ण परमेशवर रहे ।
- यद्‌यपि यिशु उदध्रकर्ता परमेश्वर बाडे लेकिन योना एगो मानव सिर्फ रहे त पर भि यिहुदीलोग वहांके विश्वास करेलाके इन्कार कइल ।
- यद्‌यपि यिशुके शिक्षा योनाके शिक्षासे महान् रहे तपर भि यहुदी लोग विश्वास करेलाके इन्कार कइल ।
- यदयपि यिशु बहुत अच्मके कामसब कइलन जउन योना करेलाके ना सकेला त पर भि यहुदी लोग वहाके विश्वास करेलाके अभिन भि इन्कार कइलन ।

23. यिशु काहे यिहुदीसबके निनवके बासिन्दासे अउरो दुष्ट रहे कहलन ?

- काहेकि निनवेके आदमीसब योना सिखाएके बाद पश्चाताप कइलन लेकिन यहुदीसब उदध्रकर्ता यिशु सखावेला त पर भि पश्चात्ताप ना कइल ।
- यद्‌यपि यिशु यहुदीसबके पश्चाताप करेलाके सिखाइल आ बहुत चमत्कारके काम सब कइल लेकिन यहुदीसब वहांमे विश्वास करेलाके इन्कार कइल जउन उद्‌धारकर्ता परमेश्वर बाडे ।